

* ओ३म् *

प्रेमधारा



अर्थात्

सेठ मनोहरलालजी वैश्य की पुत्री के विवाहोत्सव में

प्रियंवदा और यशोदादि सखियों

का

सम्वाद.

जिसको स्त्री जाति के उपकारार्थ

चिम्मनलाल वैश्य

कासगंजनिवासी ने लिखकर मुद्रित कराया

Registered for copy-right under Act. XXV of 1867.

द्वितीयावृत्ति: {	सन १८१७ {	मूल्य
११००		॥=)

रामप्रसाद जैनी के प्रबन्ध से ग्लोबप्रिन्टिंगवर्क्स मंत्र में मुद्रित ।